VI हिन्दी

मैं सबसे छोटी होऊँ, कवि: सुमित्रानंदन पंत

प्र.1— काव्यांश को पढ़कर नीचे गए प्रश्नों के उत्तर

(1) मैं सबसे - - - - - - - - दिन-रात!

प्र.1-किसकी क्या इच्छा है?

उ०1-छोटी बालिका की यह इच्छा है कि वह सबसे छोटी हो जाए और सदा माँ की गोद में सोए।

प्र.2- वह आंचल पकड़ कर क्यों फिरना (घूमना) चाहती है?

उ०2- बालिका अपनी माँ का आंचल पकड़ कर सदा उसके साथ-साथ फिरना चाहती है ताकि माँ का सान्निध्य (निकटता) प्राप्त होती रहे।

प्र.3:- माता किस प्रकार चलती है?

उ०3- माता बच्ची को बड़ा बनाकर उसका हाथ छोड़ देती है।

(2) अपने कर से - - - - - - - - चंद्रोदय

प्र.1 माँ बच्ची के क्या-क्या काम करती है?

उ०1 माँ बच्ची को अपने हाथ से खाना खिलाती है, मुँह धोती है, धूल पोंछती है तथा उसके शरीर को वस्त्रों से सजाती है।

प्र.2. बच्चे क्या सुनना चाहते हैं?

उ०2. बच्चे परियों की कहानी सुनना चाहते हैं।

प्र.3. बालिका क्या चाहती है?

उ०3- बालिका बड़ी बनकर माँ का प्यार नहीं खोना चाहती। वह माँ के आंचल की छाया में निडर होकर छिपी रहना चाहती है। वह चंद्रोदय देखना चाहती है।

प्र२. प्रश्नों सहित उत्तर

प्र.1 कविता में सबसे छोटी होने की कल्पना क्यों की गई है?

उ०1- कविता में छोटी होने की कल्पना इसलिए

की गई है ताकि माता का प्यार और निकटता लंबे समय तक मिल सके।

प्र०२. कविता में 'ऐसी बड़ी न होऊँ मैं' क्यों कहा गया है?

उ०२. ➡ कविता में ऐसा इसलिए कहा गया है ताकि वह अधिक समय तक माँ के साथ रह सके। बड़ी होने पर माँ छोटे बच्चे के साथ लग जाती है, बड़ी को छोड़ दिया जाता है।

प्र०३. आशय स्पष्ट कीजिए -

हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
साथ नहीं फिरती दिन-रात।

उत्तर ३:- इस काव्यांश का आशय यह है कि माँ बड़े बच्चे की उपेक्षा कर देती है। वह सबसे छोटे बच्चे का हाथ पकड़ कर फिरती रहती है। बड़ा बच्चा छूट जाता है।

प्र०४:- अपने बचपन में बच्चे अपनी माँ के बहुत करीब होते हैं। इस कविता में नज़दीकी की कौन-सी स्थितियाँ बताई गई है?

उ०४ कविता में निम्नलिखित स्थितियाँ बताई गई है -

- गोदी में सोना, माँ का आंचल पकड़कर फिरना
- परियों की बात सुनना
- माँ के आँचल में छिपना